Literacy for a Billion

Movie: Dilli Ka Thug
Year: 1958

Song: Ye Raatein Ye Mousam
Lyricist: Shailendra

ये चंचल हवा
आ...
ये रातें ये मौसम
नदी का किनारा
ये चंचल हवा
कहा दो दिलों ने
के मिलकर कभी
हम ना होंगे जुदा
ये रातें ये मौसम
नदी का किनारा
ये चंचल हवा
ये क्या बात है
आज की चाँदनी में
ये क्या बात है
आज की चाँदनी में

के हम खो गए
प्यार की रागनी में
ये बाँहों में बाँहें
ये बहकी निगाहें
लो आने लगा जिंदगी का मजा
ये रातें ये मौसम
नदी का किनारा
ये चंचल हवा
सितारों की महफिल ने करके इशारा
सितारों की महफिल ने करके इशारा

कहा अब तो सारा जहाँ है तुम्हारा
मोहब्बत जवाँ हो
खुला आसमाँ हो
करे कोई दिल आरजू और क्या
ये रातें ये मौसम
नदी का किनारा
ये चंचल हवा

कसम है तुम्हें
तुम अगर मुझसे रूठे
कसम है तुम्हें
तुम अगर मुझसे रूठे
रहे साँस जब तक
ये बंधन न टूटे
तुम्हें दिल दिया है
ये वादा किया है
सनम मैं तुम्हारी रहूँगी सदा
ये रातें ये मौसम
नदी का किनारा
ये चंचल हवा
कहा दो दिलों ने
के मिलकर कभी हम ना होंगे जुदा
ये रातें ये मौसम
नदी का किनारा
ये चंचल हवा

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.